**खबरें**

संभव नहीं अभिमत की अवहेलना ...04

युवाओ के लिए मिसाल बना ग्वालियर का मानवता ग्रुप ...02

जिंदर महल ने बढ़ाया देश का मान ...07

नई सोच, नई पहल

MPHIN31130

# पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय साप्ताहिक समाचार पत्र

ग्वालियर|| वर्ष : 01 अंक: 33 |

ग्वालियर, मंगलवार 22 अगस्त से 29 अगस्त 2017

पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रु.

# ट्रिपल तलाक खत्म

## कानून बनने तक सुप्रीम कोर्ट ने असंवैधानिक करार दिया

**नई दिल्ली**

देश के सबसे जटिल सामाजिक मुद्दों में से एक तीन तलाक पर सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यों की संविधान बेंच ने मंगलवार को अपना फैसला सुना दिया। पांच में से तीन जजों जस्टिस कुरियन जोसफ, जस्टिस नरीमन और जस्टिस यूयू ललित ने तीन तलाक को असंवैधानिक करार दिया। तीनों ने जस्टिस नजीर और सीजेआई खेहर की राय का विरोध किया। तीनों जजों ने तीन तलाक को संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन करार दिया। जजों ने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 14 समानता का अधिकार देता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि तीन तलाक मुस्लिम महिलाओं के मूलभूत अधिकारों का

हनन करता है। यह प्रथा बिना कोई मौका दिए शादी को खत्म कर देती है। कोर्ट ने मुस्लिम देशों में ट्रिपल तलाक पर लगे बैन का जिक्र किया और पूछा कि भारत इससे आजाद क्यों नहीं हो सकता? बता दें कि तीन जजों के बहुमत वाले इस फैसले का मतलब यह है कि कोर्ट की तरफ से इस व्यवस्था को खारिज कि गया है।

हालांकि, जिन दो जजों ने तीन तलाक को असंवैधानिक नहीं माना, उन्होंने भी इसे गलत माना, लेकिन इस मामले में संसद द्वारा कानून बनाने की राय रखी। सबसे पहले चीफ जस्टिस खेहर ने अपना फैसला पढ़ा। चीफ जस्टिस ने कहा कि तीन तलाक संविधान के आर्टिकल 14 (समानता का अधिकार), 15 (धर्म, लिंग आदि के आधार पर भेदभाव के खिलाफ अधिकार), 21 (मान सम्मान के साथ जीने का अधिकार) और 25 (पब्लिक ऑर्डर, हेल्थ और नैतिकता के दायरे में धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार) का उल्लंघन नहीं है। चीफ जस्टिस के मुताबिक, यह प्रथा सुन्नी समुदाय का अभिन्न हिस्सा है और यह प्रथा 1000 सालों से चली आ रही है।

चीफ जस्टिस जेएस खेहर और जस्टिस नजीर ने अल्पमत में दिए फैसले में कहा कि तीन तलाक धार्मिक प्रैक्टिस है, इसलिए कोर्ट इसमें दखल नहीं देगा। हालांकि दोनों जजों ने माना कि यह पाप है, इसलिए सरकार को इसमें दखल देना चाहिए और तलाक के लिए कानून बनना चाहिए। दोनों ने कहा कि तीन तलाक पर छह महीने का स्टे लगाया जाना चाहिए, इस बीच में सरकार कानून बना ले और अगर छह महीने में कानून नहीं बनता है तो स्टे जारी रहेगा। खेहर ने यह भी कहा कि सभी पार्टियों को राजनीति को अलग रखकर इस मामले पर फैसला लेना चाहिए।

## मालेगांव ब्लास्ट केस में कर्नल पुरोहित को सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत

**नई दिल्ली**

2008 के मालेगांव ब्लास्ट केस में आरोपी कर्नल प्रसाद श्रीकांत पुरोहित को सोमवार सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दे दी. कर्नल पुरोहित पिछले 9 साल से जेल में है. सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले को पलटते हुए जमानत दी है. पुरोहित ने सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उन्हें राजनीतिक साजिश के तहत फंसाया गया है. पुरोहित ने एटीएस पर उन्हें फंसाने का आरोप लगाया है. आज की सुनवाई में एनआईए और सरकार के वकीलों ने कहा था कर्नल पुरोहित इस मामले में मुख्य आरोपी है उन्हें जमानत नहीं दी जाए. एनआईए ने जांच प्रभावित होने का दावा किया, लेकिन कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया. कोर्ट ने इस बात पर भी गौर किया है कि मामले की जांच के दौरान लंबे समय तक आरोपी को जेल में रखा गया है.

आपको बता दें कि बॉम्बे हाईकोर्ट ने 2008 मालेगांव बम विस्फोट की साजिश रचने की आरोपी साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर को 25 अप्रैल को जमानत दे दी लेकिन सह आरोपी और पूर्व ले. कर्नल प्रसाद पुरोहित को कोई राहत देने से इनकार कर दिया था।

अदालत ने साध्वी को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को अपना पासपोर्ट सौंपने और सबूतों से छेड़छाड़ नहीं करने का निर्देश दिया है. उसे यह भी निर्देश दिया गया है कि जब भी जरूरत हो वह एनआईए अदालत में रिपोर्ट करे. गौरतलब है कि 29 सितंबर 2008 को मालेगांव में एक बाइक में बम लगाकर विस्फोट किया गया था जिसमें आठ लोगों की मौत हुई थी और तकरीबन 80 लोग जख्मी हो गए थे. साध्वी और पुरोहित को 2008 में गिरफ्तार किया गया था और तब से वे जेल में हैं. जांच एजेंसी के मुताबिक, विस्फोट को दक्षिणपंथी संगठन अभिनव भारत ने कथित तौर पर अंजाम दिया था।

## रायपुर के अस्पताल में ऑक्सीजन सप्लाई रुकने से 3 बच्चों की मौत की आशंका

रायपुर । राजधानी रायपुर के अंबेडकर अस्पताल में भी रविवार रात ऑक्सीजन सप्लाई करने वाले कर्मचारी की लापरवाही से गोरखपुर जैसा हादसा हो गया। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक यहां तीन मासूम बच्चों की मौत हो गई। मुताबिक अस्पताल सप्लाई की जिम्मेदारी जिस कर्मचारी को सौंपी गई थी, वो शराब के नशे में धुत पाया गया था, इस कारण यह हादसा हुआ। मुख्यमंत्री रमनसिंह ने ऑक्सीजन सप्लाई नहीं होने पर तीन बच्चों की मौत के समाचारों को संज्ञान में लेते हुए जांच के आदेश दे दिए हैं।

## डोकलाम विवादः भारत नहीं चाहता चीन से युद्धः राजनाथ

नई दिल्ली । केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने सेना को देश की रक्षा करने में पूरी तरह सक्षम बताते हुए कहा कि डोकलाम संकट का हल जल्दी हो जाएगा और उम्मीद है कि इस दिशा में चीन की ओर से सकारात्मक पहल होगी। राजनाथ सिंह सोमवार को यहां विज्ञान भवन में आयोजित भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि डोकलाम संकट का हल जल्दी निकल आएगा और चीन

की ओर से इस दिशा में सकारात्मक पहल की जाएगी। इस समारोह के दौरान मोदी सरकार ने वर्ष 2011 से अटकी पड़ी 1654 आईटीबीपी कर्मियों की पदोन्नति प्रदान की है।

भारत शांति चाहता है: उन्होंने कहा कि वह अपने सभी पड़ोसी देशों को यह संदेश देना चाहते हैं कि भारत शांति चाहता है, हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अगर कभी कोई चुनौती आई तो भारतीय सेना देश की सीमाओं की हिफाजत करने में पूरी तरह से सक्षम है। आईटीबीपी के जवानों के हौसले की तारीफकरते हुए सिंह ने कहा कि वह एक बार लद्दाख गए थे। वहां की हाड़ कंपाने वाली ठंड का अनुभव उन्हें इसके पहले कभी नहीं हुआ था।

## पीएम मोदी की

# गरीबों तक पहुंचे योजनाओं का लाभ

**नई दिल्ली**

भाजपा के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने इस सूत्र वाक्य के साथ वापस भेजा है कि किसी भी कार्यक्रम की योजना और क्रियान्वयन में गरीब केंद्र में रहे। लगभग चार घंटे की बैठक में उनसे राज्यों में किए जा रहे कामकाज की जानकारी भी ली गई और और केंद्र से अपेक्षित मदद की बात भी हुई।

पार्टी मुख्यालय में चली लंबी बैठक में सबसे पहले राज्यों को

मौका दिया गया। उनसे कहा गया कि वह उन गुड प्रैक्टिस को बताएं जिस पर समाज के भीतर से अच्छी प्रतिक्रिया आ रही है। उसी तरह केंद्रीय योजनाओं के बारे में भी फीडबैक लिया गया। यह पूछा गया कि क्या क्रियान्वयन में कोई समस्या आ रही है। केंद्रीय अधिकारियों के साथ मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारियों के संवाद और सामंजस्य पर भी सवाल हुए। बताते हैं कि मोदी और शाह ने लोकहितकारी योजनाओं पर ज्यादा बातें की।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में बैठक का महत्व इसलिए ज्यादा माना जा रहा है क्योंकि पार्टी ने 2019 की तैयारियों के लिए बड़ा लक्ष्य तय किया है। लक्ष्य भी तय कर लिया है। उन सीटों पर ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है जहां पार्टी पिछला चुनाव हारी थी या फिर ऐसी सीटें जहां भाजपा कभी जीती ही नहीं। ऐसी सीटों के लिए केंद्रीय मंत्रियों को जिम्मेदारी दी गई है।

# युवाओं के लिए मिसाल बना ग्वालियर का मानवता ग्रुप

ग्वालियर। मानवता ग्रुप एक ऐसा नाम जिसके नाम से ही काम का पता चलता है, गरीब बच्चो को पढ़ने से शुरू हुआ मानवता समूह आज बच्चो के भले के लिए अनेको कार्य कर रहा है, इस ग्रुप में अनेको युवा सदस्य है हो अपने पढ़ाई के साथ समय बच्चो के लिए भी देते है, यह ग्रुप अभी तक करीब 300 से अधिक गरीब बच्चो को शिक्षा से जोड़ने का कार्य कर चुका है, और मानवता ग्रुप की भारत की पहली चप्पल बैंक अभी तक 860 गरीब बच्चो को चप्पल पहना चुकी है, वाकई जान के खुशी होती की देश में ऐसे युवा है जो गरीब लोगो के लिए , देश के लिए कुछ कर गुज़ारना चाहते है, यह ग्रुप महिलाओ की सुरक्षा के लिए गर्ल्स सेफ्टी ग्रुप भी चलता है।

## उत्कृष्ट छात्रावासों के विद्यार्थियों को मिलेगी कोचिंग

**ग्वालियर।** अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा संचालित जिला स्तरीय बालक व कन्या उत्कृष्ट छात्रावासों में निवासरत 9वीं से 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों को कोचिंग की सुविधा मुहैया कराई जायेगी। इस सिलसिले में कोचिंग में पढ़ाने के इच्छुक शिक्षकों से 30 अगस्त तक आवेदन मांगे गए हैं। जिला स्तरीय बालक उत्कृष्ट छात्रावास यहाँ शारदा विहार और उत्कृष्ट कन्या छात्रावास झाँसी रोड़ पर संचालित है। खासतौर पर अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र, जीव विज्ञान, एकाउण्ट, एप्लाइड, अर्थशास्त्र एवं कम्प्यूटर विषयों की कोचिंग दिलाई जानी है। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास से प्राप्त जानकारी के मुताबिक कक्षा-9वीं व 10वीं में कोचिंग देने के इच्छुक शिक्षकों पर संबंधित विषय में 60 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातक उपाधि होना आवश्यक है।

## भजन कीर्तन कर नगर सरकार को जगाया

ग्वालियर। पूर्व विधायक प्रधुम्न सिंह तोमर द्वारा सोई हुई शिवराज सरकार को जगाने के लिए चार शहर का नाका गिर्राज मंदिर पर आज सुबह 24 घंटे का भजन कीर्तन किया। ब्लाक कांग्रेस कमेटी 1 एवं 3 के अध्यक्ष रमेश कुशवाह व राजेंद्र रैनिया द्वारा सोये हुए नगर निगम प्रशासन को जगाने के लिए प्रतिदिन प्रात: 11 से 11.30 बजे तक 26 अगस्त तक आयुक्त नगर निगम कार्यालय के समक्ष भजन कीर्तन किया जायेगा। मंगलवार को भजन कीर्तन की अगुवाई पूर्व पार्षद देवेन्द्र राठौर व रामसरन राठौर करेंगे। धरने में पूर्व विधायक तोमर के साथ दुर्ग सिंह, नत्थू सिंह जादौन, देवेन्द्र राठौर, कालीचरन राजपूत, पप्पन शर्मा, मुबीन खान, शिव सिंह यादव, ओमकार सिंह भदौरिया, अजमेर, राजीव गुप्ता, रामअवतार बैस, सत्येन्द्र सिकरवार, कल्लू भदोरिया, धीरू तोमर, मनोज शर्मा आदि कांग्रेसजन बैठे थे।

## तलघर खाली कराए तथा दुकानों की दीवारें तोड़ी गईं

ग्वालियर । नगर निगम द्वारा आज सोमवार को सभी विधानसभा क्षेत्रों में पार्किंग के स्थान पर पक्का निर्माण कर तलघर में व्यवसाय संचालित किए जा रहे थे उन्हें तोडने की कार्यवाही की गई तथा ऐसे सभी भवन स्वामियों को चेतावनी दी गई जिन्होंने भी अवैध रुप से तलघर का निर्माण किया है वह अपने तलघर स्वयं हटा लें अन्यथा उनके तलघर को तोडने के साथ ही शुल्क वसूली की कार्यवाही की जावेगी। ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र में दाखलत विभाग द्वारा भवन अधिकारी श्री कीर्तिवर्धन मिश्रा, मदाखलत अधिकारी उत्तम जखैनिया, जेड.ओ. सतेन्द्र भदौरिया की मौजूदगी में शिन्दे की छावनी क्षेत्र में नबाब सहाब के कुएं पर दुबे नर्सिंग पर बने हुये अवैध तलघर, बेस्ट नमकीन के 3 तलघरों को तुडवाया गया।

## जय राजपुताना संघ ग्वालियर द्वारा ग्वालियर नरेश राजा मान सिंह तोमर की जन्म जयंती बड़े धूमधाम से मनाई गई

**देशराज सिंह गौड़**

ग्वालियर। जयंती के अवसर पर जय राजपुताना संघ के संस्थापक भंवर सिंह रेटा और मध्यप्रदेश के प्रमुख लाखन सिंह पालाखेड़ी एव जय राजपुताना संघ ग्वालियर तथा राजपुत समाज से रामप्रकाश सिह परमार , बलवीर सिह तोमर (क्षेत्रीय पार्षद), सरनाम सिह तोमर(युवा राजपुत सेना),सुनील सिह राठौर,हरिओम सिह तोमर प्रवीण सिह शेखावत,मनोज सिह भदौरिया, अजमेर सिह भदौरिया,रधुवीर सिह नाथावत लवली सिह तोमर(सर्वण एकता मंच),खेमपाल सिह,देशराज सिह गौर रामवतार सिंह तोमर, विजय सेंगर, हेमन्त भदौरिया प्रबल प्रताप सिंह राजावत रोहित पाल सिंह जादौन, सुरजीत राजावत ,शिवम, दीपक, आदि मौजूद रहे और क्षात्र धर्म पर अपने विचार व्यक्त किये।

# स्वच्छता सर्वेक्षण का उददेश्य शहरों को स्वच्छ बनाना

**ग्वालियर ।** स्वच्छता सर्वेक्षण 2018 की तैयारी केवल सर्वेक्षण के लिये ही नहीं बल्कि शहरों को स्वच्छ बनाने के लिये है। सर्वेक्षण तो केवल इण्डिकेटर है कि अभी आप स्वच्छता के किस स्तर पर हो। स्वच्छता एक बार का नहीं बल्कि प्रतिदिन का कार्य है। अब हमें व्यवहार बदलना होगा तभी हम स्वच्छता मिशन के उद्देश्य को सफल बना पायेंगे।सभी अधिकारी व इंजीनियर सर्वेक्षण की प्रक्रिया को अच्छी तरह से समझ लो परिणाम अपने आप अच्छे आ जाएंगे।

निगमायुक्त विनोद शर्मा ने यह बात आज स्वच्छता सर्वेक्षण 2018 के सफल क्रियान्वयन के लिए नगरीय निकायों के अधिकारियों, कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने के लिए भोपाल के अधिकारियों द्वारा होटल तानसेन में आयोजित संभाग स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप में कही। इस अवसर पर मुरैना नगर निगम आयुक्त धीरेन्द्र सिंह परिहार, भोपाल के एक्सपर्ट नीलेश दुबे, के के श्रीवास्तव, प्रभाकर सिन्हा सहित ग्वालियर चंबल संभाग के सभी निकायों के अधिकारी व इंजीनियर उपस्थित रहे।

## कलेक्ट्रेट में ज्ञापन प्राप्त करने के लिये अधिकारियों को दिनवार जिम्मेदारी सौंपी

ग्वालियर। कलेक्ट्रेट कार्यालय में ज्ञापन प्राप्त करने के लिये अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। हफ्ते के हर दिन के लिये अलग-अलग अधिकारी ज्ञापन प्राप्त करने के लिये अधिकृत किए गए हैं। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के मुताबिक सोमवार के दिन ज्ञापन प्राप्त करने के लिये एसडीएम झाँसी रोड़ श्री महिप तेजस्वी (मोबा. 8305778278) को अधिकृत किया गया है। इसी तरह मंगलवार को डिप्टी कलेक्टर श्रीमती संजू कुमारी (मोबा. 9669737743), बुधवार को एसडीएम मुरार श्री एच बी शर्मा (मोबा. 9425743666), गुरूवार को एसएलआर श्रीमती सुभ्रता त्रिपाठी (मोबा. 8223948514), शुक्रवार को तहसीलदार नजूल श्रीमती भूमिजा सक्सेना (मोबा. 9425187254) तथा प्रत्येक कार्यदिवस शनिवार को एसडीएम घाटीगाँव श्री विनोद सिंह (मोबा. 9425338594) को ज्ञापन प्राप्त करने के लिये अधिकृत किया गया है।

यूनिवर्सल डेबोर्डिंग अकेडमी

प्रवेश प्रारंभ

1 अवेकस पद्धति से शिक्षा जिससे गणित का डर हमेशा के लिये खत्म
2. 25% RTE के तहत प्रवेश
3. मेमोरी और कॉन्सट्रेशन पावर बढ़ाने के लिये अलग से क्लास
4. पर्सनाल्टी डवलपमेंट क्लासेज

पता-प्रीतम विहार कॉलोनी पिंटो पार्क मुरार ग्वालियर
Mob 0751-6997770,7879337770

माँ वैष्णवी विद्यानिकेतन प्राथमिक मा. विद्यालय ग्राम भोनपुरा

:प्रवेश प्रारम्भ:
1 जून 2017 से 2018

LKG TO 8TH हिन्दी/अंग्रेजी मीडियम

संचालक बृजेश सिंह भदौरिया
प्रेंसीपल रामअनुजसिंह (एम.एस.सी.)
व्यवस्थापक इन्द्रवीरसिंह भदौरिया
प्रबन्धक शुशपाल सिंह भदौरिया

संपर्क सूत्र: 9584966977, 8458940535

# 16अगस्त की सुबह तक विद्यालय में फहराता रहा तिरंगा

दबोह( महेंद्र गोस्वामी)

**शिक्षको ने किया राष्ट्रीय ध्वज का अपमान अब तक नही हुई कार्यवाही**

**लापरवाह शिक्षकों ने उड़ाई तिरंगे झंडे की धज्जियाँ**

**दबोह क्षेत्र के ग्राम बागपुरा का मामला**

एक ओर प्रदेश सरकार शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए नित रोज नए दिशा निर्देश जारी कर रही हैं इसके बाबजूद भी शिक्षा विभाग में कोई सुधार नजर नही आ रहा है

भले ही भिंड कलेक्टर शिक्षा को लेकर कितने भी गम्भीर क्यों न हो पर जिले के ग्रामीण स्तर के विधालयो में आज भी वही पुराना ठर्रा चल रहा है विधालयो में बच्चे पढे या जानबर इन शिक्षक पर कोई असर नही होने वाला क्यों कि शिक्षा विभाग के आला अफसर कभी इन विधालयो की जमीनी हकीकत से रूबरू ही नही हुए हैं क्षेत्र का ऐसा एक भी विधालय नही है जिसमे विद्या दी जाती हो किसी विधालय में शिक्षक नही आते तो किसी किसी विधालय में शिक्षक सोते नजर आते हैं,ऐसा ही एक मामला दबोह क्षेत्र के ग्राम बागपुरा के शिक्षा गारन्टी शाला का है जहाँ पर 15 अगस्त के अवसर पर सुबह फेहराया गया तिरंगा सूर्यास्त से पहले उतारा नही गया और 16 अगस्त की सुबह 9ः30 बजे तक विधालय परिसर में फहराता रहा जानकारी के लिए बता दूँ कि 15 अगस्त की सुबह विधालय परिसर में ध्वजारोहण किया गया था जिसके बाद विधालय में पूरा स्टाफ मौज मस्ती कर विधालय में ताला लगा कर चल दिए और उन्हें यह भी याद नही रहा कि शाम को सूर्यास्त होने से पहले ध्वज को उतारना भी है,मौके और पहुंची पत्रकारो की टीम ने जब ग्रामवाशियो से इस बारे में जानकारी ली तो उनका कहना था कि झंडा रातभर फहराता रहा इसे उतारने कोई भी मास्टर नही आये,एक ओर जहाँ पूरा देश 15 अगस्त को आजादी का पर्व बड़े ही धूम धाम से मना रहा था वही दूसरी ओर ग्राम बागपुरा के विधालय के शिक्षक तिरंगे झंडे के अपमान की तैयारी करने में लगे थे,वही दूसरी ओर जब 16 अगस्त की सुबह 10ः30 बजे शिक्षक विधालय पहुंचे तो पहले जाकर अकबका कर तिरंगा उतारने में लग गए और मीडिया टीम ने पुनः विधालय पहुँच कर तिरंगे झंडे के अपमान को लेकर बात कि तो उन्होंने अपना पल्ला झाड़ लिया,खैर ग्राम बागपुरा के विधालय का यह पहला मामला नही है पूर्व मे भी कई बार विधालय की लापरबाही सामने आई है...

कहते हैं सौ में से नब्बे बेईमान फिर भी मेरा भारत महान

विद्यालय की कक्षा में बच्चों के साथ जानबर भी पढ़ रहे थे

जब 11:00 बजे मीडिया टीम पुनः बागपुरा पहुंची तो देखा की विधालय में जहाँ कक्षा संचालित की जा रही थी बहीं क्लासरूम में जानबर भी आराम फरमा रहा था जब इस सम्बन्ध में शिक्षक से बात की तो वह अपनी चुप्पी साधते हुए चुप रहे...

इससे साफ जाहिर होता है कि किस तरह यह सरकारी विधालय के शिक्षक सरकार को आइना दिखाने का काम कर रहे है और वहीँ दूसरी ओर शिक्षा विभाग के अधिकारी भी चुप्पी साध कर बैठे हैं फिलहाल तो सवाल यह उठता है कि क्या भारत के राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने वाले इन लापरवाह शिक्षको पर कोई कार्यवाही होती है या नही या फिर हर बार की तरह यह शिक्षक अपनी दबंगयाई के चलते यूँ ही विधालय में पदस्य रहेंगे..

## एक बार फिर से स्कूल चले हम,क्यों ना एक बार फिर बच्चे बने हमःकलेक्टर

**भिंड।** जिला प्रशासन भिंड जिले के सभी सामाजिक कार्यकर्ताओं, जागरूक नागरिको एवं आम जनता से अपील करता है कि, दिनांक 26 अगस्त को प्रत्येक शासकीय विद्यालय में आयोजित होने वाले कार्यक्रम *मिल बांचे* में सक्रीय सहभागिता करने हेतु *www.schoolchalehum.mp.gov.in* पर लॉगिन कर किसी भी विद्यालय को चुन कर उस विद्यालय के बच्चो के साथ देश के इतिहास, हमारी संस्कृति के बारे उनसे मित्रवत चर्चा करें साथ ही चुटकुलों,कहानियो, किस्सों, कविताओं तथा अच्छी अच्छी बातो के द्वारा बच्चो से प्यार भरी बाते करे और खुद के बचपन एक बार फिर से जियें।

इसके साथ ही जिले के शैक्षणिक स्तर को उच्चता प्रदान करने की चाहत रखने वाले सभी नागरिको से यह भी अपील है कि, शासकीय विद्यालयों में अध्यनरत निर्धन छात्र-छात्राओ के सहयोग हेतु पठन पाठन सामग्री जैसे- कॉपी, पेन, पेंसिल, स्कूल बैग, पानी की बोतल, ड्राइंग बॉक्स, एवं आपके घर में अनुपयोगी किताबे, बच्चो के खिलोने आदि दान कर सहयोग करे।

आप की एक छोटी सी मदद किसी बच्चे के बेहतर भविष्य के लिए मददगार सिद्ध होगी।

यदि आप यह पुनीत कार्य करने के इच्छुक है तो आज ही अपने गांव या बार्ड के विद्यालय प्राचार्य, शिक्षकगण,पार्षद, सरपंच, पंचायत सचिव से संपर्क कर दान करे।

**आओ एक बार फिर बचपन जियें।**

**पढ़े पढ़ायें, साथ मे आयें-अपने जिले को शिक्षित बनायें।।**

## देखो ये बिजली का खेल दिन में जलती रात में फ़ैल

**दबोह( महेंद्र गोस्वामी )।** नगर हो चाहे देहात दबोह बिजली विभाग शुचारु रूप से मेंटिनेंस नही कर पा रहा है इससे लोगों को उमस भरी भीषण गर्मी की दुश्वारियां झेलनी पड़ रही है भीषण गर्मी से जूझ रहे नगर के लोगों पर बिजली कटौती भारी पड़ रही है। ऐसे मौसम में एक मिनट और एक दिन भी बिजली गुल होना परेशान कर देता है वही तीन दिन से लगातार नियमानुसार लोग कटौती का सामना कर रहे हैं।कूलर-पंखे बंद होने से लोग बेहाल हुए। जूनियर इंजीनियर बता रहै बिजली कटौती का कारण आवश्यक सुधार और मेंटीनेंस है अभी बिजली सुधारने का कार्य चल रहा है गर्मी के पीक सीजन में कटौती को मेंटीनेंस में बरती लापरवाही माना जा रहा है अब तो दबोह सबस्टेशन पर पदस्थ कर्मचारी ही सच्चाई बता सकते कि आखिरकार प्रतिदिन बिजली किस कारण से काटी जाती है क्योंकि जूनियर इंजीनियर साहब तो कभी अपने मुख्यालय पर उपस्थित रहते नही है।

## यूथ बिग्रेड ने निकाला केंडिल मार्च

**गोरखपुर अस्पताल में 70 मासूम की मृत्यु होने पर दी श्रध्दांजली**

लहार( ब्यूरो रिपोर्ट)

डेनिडा युथ ब्रगेड एव लहार युवा नागरिको ने गोरकपुर के अस्पताल मे 70 मासूम बच्चो अकाल मृत्यु होने पर उनकी आत्मा की शान्ती हेतु नगर मे केन्डल मार्च लौहिया चौक से पुरानी तहसील जय-स्थम पर समापन हुआ एव सभी युवाओ ने 2 मिनिट का मौन धारण किया ।जिसमे प्रमुख रूप से पिल्लू सक्सेना आदर्श राजावत, दीपक शर्मा शिवेंद्र राजावत हीरापुरा रोहित शिवहरे सालमन खान सोनू खान ऋषि आर्या शाहरुख खान , योगेश सेन, अंकित राजावत, पुनीत सेन , हरेन्द्रा बघेल नरेंद्र बघेल, राहुल प्रजापति, हिमांशु गुप्ता ऋषु सेन,,राजा चौहान,राहुल शिवहरे, ऋतिक राजावत,अमित हिनरिया, मिनी राजावत, सूरज राजावत,निगम राजावत,रागबेन्द्रा शिवहरे, बिक्की कुसतबर, अतुल गुप्ता,इमरान खान अभय आर्या, संजू खान, आशुतोष ,रामु राठौर, अंकित राजावत दीपू, गुरु प्रताप, पवन शर्मा, योगेंद्र सेन, छोटू नरवरिया आदि सभी लोग उपस्थित रहे।

## डिवीजनल इंजीनियर के मौखिक आदेश पर चलता है दबोह सबस्टेशन- जे.ई.रवि साहू

दबोह( महेंद्र गोस्वामी)

आज लगभग 11 बजे एक उपभोक्ता दबोह बिजलीं ऑफीस अपना बिल जमा करने गया तो एक स्थानीय कर्मचारी मनमोहन दोहरे उर्फ मुन्ना ठेकेदार ने उससे बदतमीजी कर सबस्टेशन से बाहर निकाल दिया गया उपभोक्ता का कहना है कि मन मोहन दोहरे यहा के स्थानीय निवासी है इस कारण दबोह सबस्टेशन पर इनकी दबंगई चलती है ये उपभोक्ताओं से अवैध बसूली करते है अवैध बसूली के चलते जे.ई. साहब को मुनाफा होता है इसलिए उन्होंने मनमोहन दोहरे उर्फ मुन्ना ठेकेदार को अवैध रूप से यहा रखा है सूत्रों की माने तो मनमोहन दोहरे उर्फ मुन्ना ठेकेदार की देख-रेख में दबोह सबस्टेशन के द्वारा दर्जनों पम्प चलवाये जा रहे है जिनका परोक्ष लाभ लेकर जिसका बंदरबाट किया जाता है इससे विजली विभाग को भी छति पहुचती है इससे बाढ़ खेत को खाने बाली कहावत चरितार्थ हो रही है सूत्रों की माने तो मनमोहन दोहरे उर्फ मुन्ना ठेकेदार लहार सबस्टेशन पर लाइन हेल्पर के रूप में पदस्थ है परन्तु दबोह सब स्टेशन पर कार्य करते है जबकि लहार सबस्टेशन के स्वयं के पास कर्मचारियों की कमी है स्थानीय निवासी होने के कारण और स्थानीय सबस्टेशन पर इनका अधिक हस्तक्षेप होने के कारण अभी तक क्षेत्रीय लोगो को यह भी पता नही चला कि यह ठेकेदार है या कर्मचारी अब देखना यह है कि विभाग का कौंन सा अधिकारी इस पर्दे को उठाकर उजागर करे गा जब इस बारे में दबोह जूनियर इंजीनियर रवि साहू से बात की तो उनका कहना है कि लहार डिवीजनल इंजीनियर के मौखिक आदेशानुसार मनमोहन दोहरे उर्फ मुन्ना ठेकेदार को दबोह सबस्टेशन अटेच किया गया है इससे ज्यादा मुझे कोई जानकारी नही है मेरे डिवीजनल इंजीनियर साहब से बात करे अब तो लगता है विभाग के अधिकारी मौखिक आदेशो की नाव पर सवार होकर आम इंसानो पर दबाब बनाना चाहते है जब इस बारे में बरिष्ठ अधिकारियों को सन्देश देने का प्रयास किया गया तो उन्होंने अनसुना कर

भिंड जिले के सभी क्षेत्रो में
पुष्पांजली टुडे समाचार पत्र
को संवाददाता नियुक्त करना है

अर्पित गुप्ता
( सम्भागीय प्रमुख )
मोबा.
9691270207

इक्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें...

शशी भूषण सिंह चौहान
( जिला ब्यूरो )
मोबा.
9425130046

ई मेल-Arpitgnews@gmail.com

## सम्पादकीय

# हादसों का सिलसिला

उत्तर प्रदेश में मुजफ्फरनगर में खतौली के निकट उत्कल एक्सप्रेस जिस तरह दुर्घटनाग्रस्त हुई और उसके चलते तीस यात्रियों की जान गई और सौ से अधिक घायल हुए वह पहली नजर में रेलवे की लापरवाही का नतीजा जान पड़ता है। उत्कल एक्सप्रेस दुर्घटना का शिकार बनी, क्योंकि वह जिन पटरियों पर गुजर रही थी उन पर मरम्मत का काम चल रहा था, लेकिन इसकी सूचना ट्रेन के ड्राइवर के पास नहीं थी। नतीजा यह हुआ कि ट्रेन अपनी पूरी रफ्तार से चलती रही और दुर्घटना का शिकार हो गई। यह स्थिति और कुछ नहीं, यही बताती है कि रेलवे विभाग के दायें हाथ को नहीं पता कि उसका बायां हाथ क्या कर रहा है? जिन पटरियों की मरम्मत हो रही है उन पर किसी भी ट्रेन को पूरी गति से गुजारना दुर्घटना को निमंत्रण देने के अलावा और कुछ नहीं। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि रेल मंत्री सुरेश प्रभु ने जवाबदेही तय करने की बात कही है और सात लोगों को निलंबित कर दिया है, लेकिन आखिर अभी तक ऐसी व्यवस्था का निर्माण क्यों नहीं किया जा सका जिससे उस तरह की गफलत किसी भी कीमत पर न होने पाए जैसी खतौली में हुई। यदि ऐसी किसी व्यवस्था का निर्माण हो गया होता कि मरम्मत वाली पटरियों से गुजरने वाली ट्रेन के ड्राइवरों को इस आशय की सूचना दी जाएगी और उसकी पुष्टि भी की जाएगी तो इतने लोगों को हताहत होने से बचाया जा सकता था। यह ठीक नहीं कि रेलें बार-बार उन्हीं कारणों से दुर्घटना का शिकार होती रहें जिन कारणों से वे पहले भी हो चुकी हैं।

रेल मंत्रालय के लिए यह गंभीर चिंता का विषय बनना चाहिए कि ट्रेन दुर्घटनाओं का सिलसिला थमता नहीं दिख रहा है। पिछले तीन वर्षों में करीब तीस ट्रेनें दुर्घटना का शिकार हो चुकी हैं और इसके चलते ढाई सौ से अधिक रेल यात्रियों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा है। यह आंकड़ा भारत में रेल यात्रा के जोखिम भरे होने की ही गवाही देता है। ऐसे आंकड़ों के संदर्भ में ऐसी कोई दलील देना स्वीकार्य नहीं कि इसके पहले भी यात्री ट्रेनें दुर्घटना ग्रस्त होती रही हैं। सुरेश प्रभु के रेलमंत्री बनने के बाद से यह उम्मीद की गई थी कि ट्रेन दुर्घटनाओं का सिलसिला थमेगा, लेकिन ऐसा होता हुआ दिख नहीं रहा है। यह ठीक है कि रेलवे में अन्य अनेक उल्लेखनीय सुधार हो रहे हैं और वे नजर भी आ रहे हैं, लेकिन यदि ट्रेन दुर्घटनाओं के सिलसिले को नहीं रोका जा सका तो ये सुधार अपनी महत्ता खो देंगे। यह समझना कठिन है कि आखिर सुरक्षित रेल यात्रा को सर्वोच्च प्राथमिकता क्यों नहीं दी जा रही है? एक बड़ी संख्या में ट्रेन दुर्घटनाएं इसलिए हो रही हैं, क्योंकि पटरियां या तो पुरानी पड़ चुकी हैं या फिर जर्जर हो चुकी हैं, लेकिन जब रेल यात्रियों की जान जोखिम में हो तब फिर पुरानी पटरियों को ठीक करने अथवा उन्हें बदलने का काम युद्धस्तर पर क्यों नहीं हो सकता और इस दौरान यह क्यों नहीं सुनिश्चित किया जा सकता कि जरूरी सूचना के आदान-प्रदान में कहीं कोई गफलत न हो। यह आवश्यक ही नहीं, बल्कि अनिवार्य है कि रेल मंत्रालय बिना किसी देरी के जरूरी सबक सीखे।

# संभव नहीं अभिमत की अवहेलना

**राजमोहन गांधी**

दरअसल आग्रह तो मुझसे भारत की आज़ादी की सत्तरवीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एक लेख लिखने का था, लेकिन मैं शुरुआत कुछ हालिया घटनाओं से करना चाहूंगा। जेएनयू कैम्पस पर टैंक बुलाये जाने पर असल में तोपची सेना ही निकल पड़ी। यह सेना जा पहुंची कर्नाटक, जहां गुजरात के कांग्रेस विधायकों को एकांत में ठहराया गया था ताकि विरोधी दल के लिए उन्हें बरगला पाना आसान न हो। वहां इन बड़ी तहकीकाती तोपों का सामना हुआ इन विधायकों के अमीर मेजबान से, जो कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार में मंत्री हैं।

इन छापों की समयावधि पर भी अच्छी तरह सोच-विचार किया गया होगा। अब क्योंकि गुजरात के कांग्रेस नेता अहमद पटेल ने भाजपा अध्यक्ष अमित शाह से टकराने की गुस्ताखी की थी तो ऐसे में पटेल को फिर से राज्यसभा में पहुंचने से रोका नहीं जाना चाहिए था? शिवकुमार को क्यों न एक जगह थाम लिया जाये और 'बाजारू अर्थव्यवस्था' के लिए गुजरात के कांग्रेस विधायकों को क्यों न मुक्त करवा लिया जाये?

हम कोई अनाड़ी दुनिया में तो रह नहीं रहे। शिवकुमार के प्रतिष्ठानों पर छापों से एक या दो रोज पूर्व गृह राज्यमंत्री किरण रिजिजू ने अवैध रूप से पीट-पीटकर मार डालने (लिंचिंग) की घटनाओं पर बहस के दौरान संसद में कहा था ज्‍'जब पूरी दुनिया की आंखों में भारत का नाम चमक रहा है, जब पूरी दुनिया हमारे प्रधानमंत्री का सम्मान कर रही है, ऐसी घड़ी में हमारे प्रधानमंत्री की छवि को खराब करने वालों के लिए हमारी सरकार उतनी ही बुरी है, जितनी कि भारत की छवि खराब करने वालों के लिएज् मैं इन टिप्पणियों को कम चेतावनी के साथ समाप्त कर रहा हूं कि ज्आप जितनी बार ऐसे मुद्दों को उठायेंगे, उतनी ही बार हम आपको बेनकाब करेंगे।' तमन्नाएं हकीकत नहीं होतीं। आज भारत का नाम निश्चित तौर पर दुनिया में चमक नहीं रहा। हां, यह सच है कि पिछले 25 सालों में दुनिया में भारत की छाप का दायरा बढ़ा है। भारतीय मूल के लोग विभिन्न महाद्वीपों में अधिक स्पष्ट भूमिका निभाते हैं। लेकिन किसानों की आत्महत्याएं, महिलाओं के प्रति हिंसा तथा गाय के नाम पर लोगों को पीट-पीट कर मार देने की घटना की अंतर्राष्ट्रीय टेलीविजन चैनलों, अखबारों तथा सोशल मीडिया पर कवरेज के चलते दुनिया भर में आलोचना का भी सामना करना पड़ता है। भारत में मीडिया की स्वतंत्रता को लेकर दुनियाभर की हैरत भी एकदम जायज है। हमेशा नज़र आते रहने वाले हमारे प्रधानमंत्री दुर्भाग्यवश पहुंच से पूरी तरह दूर हैं। वह संभवतः देश के ऐसे पहले प्रधानमंत्री हैं जो पत्रकार सम्मेलन नहीं करते और न ही खोजी पत्रकारों को इंटरव्यू देते हैं। मोदी का सुस्पष्ट इंटरव्यू किसी ने आखिरी बार कब पढ़ा या देखा था?

हमारे प्रधानमंत्री ट्वीट करते हैं, परियोजनाओं को लांच करते हैं, दुनिया की हस्तियों से मिलते हैं, चुनावी रैलियों को संबोधित करते हैं, महीने में एक बार रेडियो पर मन की बात करते हैं। इस तरह वह हम तक पहुंच पाते हैं। कई बार उनकी बातें बड़ी तार्किक होती हैं। लेकिन हम उन तक पहुंच नहीं सकते और न ही उनसे बात कर सकते हैं। शब्दों की एकतरफा बौछार यहां तक कि भावपूर्ण शब्दों का इस्तेमाल ही तो लोकतंत्र नहीं है। रिजिजू का दुनिया की राय का जिक्र करना सही है। हमें नहीं मालूम कि लिंचिंग की घटनाओं पर संसद में बहस संभव थी या नहीं, लेकिन दुनिया में व्याकुलता अवश्य व्याप्त हो गयी। शायद ही बहुत ज्यादा सरकारें अंतर्राष्ट्रीय अभिमत की पूरी तरह अवहेलना कर पाती हैं। देश में आपातकाल के दौरान इंदिरा गांधी साउथ ब्लॉक में अपनी मेज के पास एक दराज में उनकी आलोचना करने वाली कुछ पत्रिकाओं को रखा करती थीं। और जब कोई विदेशी भारत में प्रेस की आज़ादी के बारे में सवाल करता तो वह इन पत्रिकाओं में छपे लेख उनके सामने कर देतीं।

आज केंद्र सरकार पर सवाल उठाने वाले अखबार भारत के बड़े मीडिया की बात नहीं करते। बड़ी पहुंच रखने वाले हमारे टेलीविज़न चैनल मोदी और उनकी टीम से जवाब मांगने के इच्छुक नजर नहीं आते। जब विपक्षी दल कमजोर हो जाते हैं और मुख्य मीडिया भी भयभीत होता है, तब कोई नृपति ही हमें निरंकुश एकतंत्र और उसके समर्थकों से बचा सकता है। लेकिन मोदी, जिनके पास कि लाखों लोगों तक पहुंचने के लिए मंच भी है और भोंपू भी, तथा जो चुने हुए लक्ष्यों के बारे में बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, जीवन और मौत के मामलों पर देश को संबोधित करने से बच रहे हैं।

# शब्दगंध को महसूस करते हुए

मेरी सारी इंद्रियां कुछ ज़्यादा ही तेज़ हैं सिवाए नज़र के। कभी-कभी मैं बिना चश्मे के चलना चाहती हूं। पूरी धुंधली-सी दुनिया की खूबसूरती में भीगती हुई। बेतरह। मैंने पहली बार तुम्हें तुम्हारे शब्दों से पहचाना था। उन शब्दों का चेहरा नहीं था। वे अंधेरे के शब्द थे। किसी पहाड़ी गुफ़ा में मीठे पानी के झरने की तरह। उनका होना दिखायी नहीं, सुनायी पड़ता था। उनका होना प्यास को पुकारता था। मैंने उन्हें छू कर जाना कि शब्दों से धुल जाती है थकान।

मेरे पास उस वक्‌त बस इक छोटी-सी बॉटल थी। मैंने उसमें झरने का मीठा पानी भरा। इक रोज़ यूं हुआ कि किसी नए शहर में घूमते हुए रात हो गयी और शहर की सारी दुकानें बंद। आख़िरी ट्रेन जा चुकी थी और मेरा होटल रूम वहां से दो मील दूर था। उस रात मैंने ज़मीन की कुछ बातें सुननी चाही थीं। पानी की भी। इक नदी बहती थी शहर के दो टुकड़े जोड़ती हुई। मैं नदी किनारे बैठी। जूते उतारे और ठंडे पानी में पैर डाल दिए। इक किताब थी मेरे बैग में। हमेशा की तरह।

नदी ने कहा-मेरे पास बंद किताबों की कहानियां नहीं आयी हैं कभी। तो मैंने उसे कहानियां सुनायीं। वो फिर तुम्हारी आवाज़ की मिठास चखना चाहती थी। मैंने बोतल से निकाल कर थोड़ा-सा पानी नदी में बह जाने दिया। मैं सिर्फ़ अपनी प्यास के लिए तुम्हारे शब्द बोतल में भर कर नहीं घूम सकती थी। उस दिन मैंने तुमसे उदार होना सीखा था।

मगर जो शब्द तुम्हें मेरे लिए परिभाषित करता है, वो शब्द शायद तुम्हारे पास इतनी बहुतायत में हैं कि तुम्हें पता भी नहीं चला होगा कि कब मैंने दिनदहाड़े तुम्हारी नोटबुक से एक पन्ना अपने लिए फाड़ लिया था। बड़े हक़ के साथ। शब्द बड़े मायावी होते हैं। इनकी ठीक-ठीक तासीर कोई भी तो नहीं जानता। तुम्हारी शब्दगंध। बस कभी-कभी होता है कि शब्दगंध की जगह तुम खुद चले आते हो। तुम ऐसे मत आया करो। मुझे अपने इस कोल्ड, क्रूअल दिल से डर लगता है।

'तुम अपनी पसंद का एक शहर चुन लो कि जिसमें मैं तुमसे मिल सकूं।' 'मैं अपनी पसंद का कोई शहर लिखूंगी तो उसमें तुम्हारी पसंद की ड्रिंक्स नहीं मिलेंगी।' 'तुम मुझे पहचान लोगी उस नए शहर में, कि जहां सब कुछ नया होगा।' 'तुम्हें क्या लगता है, मैं तुम्हें कैसे पहचानती हूं? तुम्हारी आंखों, तुम्हारी हंसी या कि तुम्हारे कपड़ों से?' 'पता नहीं। तुम ही बताओ।' 'मैं तुम्हें तुम्हारी शब्दगंध से पहचानती हूं।'

# सदियों से चीन की आंख की किरकिरी

**शंभूनाथ शुक्ल**

डोकलाम का मुद्दा पिछले तीन महीने से गरम है। डोकलाम की स्थिति भी विचित्र है। उसे जो जिस जगह खड़ा होकर देखेगा, उसे वह अपना लगेगा। वह एक ऐसा पठार है जो तिब्बत की 'चुम्बी' घाटी के उत्तर में है और भूटान की 'हा' घाटी के पूर्व में और सिक्किम प्रान्त के पश्चिम में स्थित है। इसलिए तीनों मुल्कों का वहां दखल है। हालांकि 1961 से इसे भूटान का अधिकृत क्षेत्र माना गया है मगर चीन को इस दावे से आपत्ति रही है और भारत इसे स्वीकार करता है। तब से 24 बार गोलमेज़ वार्ताएं हो चुकी हैं लेकिन हल नहीं निकल सका है। मगर 29 जून की एक घटना ने इस मुद्दे को गरमा दिया है। दरअसल चीन यहां से होते हुए एक सड़क बना रहा है, उस पर भूटान को आपत्ति हुई तो भारत भी भूटान की मदद के लिए पीछे खड़ा हो गया। इसीलिए चीन भारत के विरुद्ध बयानबाज़ी कर रहा है।

इम्पीरिएल गजेटिएर ऑफ़ इंडिया में अंग्रेज शासकों ने लिखा है कि डोंगक्या पहाड़ियां सिक्किम और चुम्बी घाटी को अलग करती हैं। ये पहाड़ियां गुमपोची पर्वत को दो शिखरों में बांटती हैं। इनके बीच में ढिचुल या जलढका नदी की घाटी है। दक्षिण में जहां ये पहाड़ियां समाप्त होती हैं वहीं ढलान पर स्थित है बटांग ला और इससे आगे बढ़ने पर है डोकलाम। दो पहाड़ियों के बीच का यह पठार है। चीन इस पर अपना हक जताता है ताकि इसी मार्ग के ज़रिये वह पाकिस्तान तक सीधे सड़क मार्ग से पहुंच सके। यह पठार दरअसल एक दर्रा भी है, जिसके ज़रिये चीन दक्षिण एशिया में घुसपैठ करने का इच्छुक रहता है।

सिक्किम राज्य का इतिहास बताता है कि 1642 में इस राज्य की स्थापना और तब इस सिक्किम साम्राज्य के पूर्व में चुम्बी घाटी, पश्चिम में हा घाटी और दक्षिण-पूर्व में दार्जिलिंग तथा कलिम्पोंग इसी सिक्किम साम्राज्य में थे। इसी के साथ डोकलाम का पठारी इलाका भी। साल 1780 में भूटानियों के छापामार युद्ध ने सिक्किम को कमजोर किया और एक संधि के तहत हा घाटी और कलिम्पोंग भूटान को मिल गए।

इस थ्योरी के अनुसार 1756 में नेपाल में गोरखा साम्राज्य कायम हुआ। तब नेपाल और भूटान ने मिलकर सिक्किम साम्राज्य को नेस्तनाबूद करने की ठानी। पर जब 1764 में अंग्रेजों और भूटानियों की संधि हुई तब भूटान इस युद्ध से विरत हो गया। नेपाली गोरखाओं ने 1788 में भयानक मारकाट मचाई और सिक्किम में तीस्ता के पश्चिमी तट पर वे लोग आ गए तथा तिब्बत के भी चार इलाकों पर कब्ज़ा कर लिया। तिब्बत ने यहीं एक गलती कर दी। उसने नेपाल के कब्ज़े से अपना इलाका छुड़ाने के लिए चीन से 1792 में संधि कर ली। बस यहीं से शुरू हुआ इस हिमालयी क्षेत्र में चीन का दखल। चीन के जनरल ने अपने सर्वे में चुम्बी घाटी को तिब्बत का हिस्सा बता दिया। इस तरह यह इलाका सिक्किम के हाथ से तो चला गया।

तमलांग में हुई 1861 की संधि के बावजूद सिक्किम को अंग्रेजों पर भरोसा नहीं हुआ। 1890 में चीन के साथ हुई संधि के बाद अंग्रेजों ने सिक्किम को अलग-थलग कर दिया और उसका काफी इलाका तिब्बत को दिलवा दिया। इस संधि के बाद अंग्रेजों ने सिक्किम को ब्रिटिश संरक्षित राज्य घोषित कर दिया। साथ ही तिब्बत के साथ उसकी सीमाएं तय कर दीं। दोंगक्या पहाड़ियों की तरफ तीस्ता और डोकलाम का पठार अब सीमा रेखा थी। वर्ष 1904 में एक और संधि हुई और तिब्बत के साथ सिक्किम की सीमा पर मुहर लग गई। साल 1910 में भूटान भी ब्रिटिश भारत का संरक्षित राज्य घोषित कर दिया गया। भूटान देश की सीमाओं का स्पष्ट सीमाकंन 1961 में हुआ। इस सीमांकन के अनुसार डोकलाम पठार पर भूटान का अधिकार बनता है।

लेकिन चीन ने इस सीमांकन को नहीं माना। अब चूंकि तिब्बत चीन के पास है, इसलिए डोकलाम तक तो उसकी सीमा बनती ही है। पहले-पहल यह मामला 1966 में उठा जब चीनी मुक्ति सेना के जवानों के साथ तिब्बतियों का एक जत्था यहां आया। भूटान ने एक बयान ज़ारी किया कि यह हमारा हिस्सा है। चीन ने उलटे यह दावा किया कि उसके 300 वर्ग मील इलाके पर भूटान काबिज़ है। भूटान ने भारत से दखल करने को कहा। लेकिन चीन ने भारत के दखल को खारिज कर दिया। पर 1972 में भारत की पहल पर भूटान और चीन के बीच सीमा को लेकर वार्ता शुरू हुई। यह वार्ता निष्फल रही। 1984 में चीन ने भूटान से फिर वार्ता शुरू की। इस वार्ता में उसने यह मान लिया कि विवादास्पद इलाका बस 269 वर्ग कि.मी. का ही है।

लेकिन चीन डोकलाम को अपना हिस्सा मानने पर अड़ गया। इससे भूटान का पूरा इलाका ही कम होता नज़र आने लगा। भारत के साथ उसका जो सिलीगुड़ी कारीडोर है वही खतरे में पड़ गया। उसके बाद 1996 और 1999 की वार्ताएं भी विफल रहीं। इसके बाद चीन सीमाओं पर सड़क बनाने लगा। यह सड़क मार्ग सिंचेला दर्रा होते हुए डोकलाम के पठार तक आ पहुंचा। तब ताज़ा विवाद शुरू हुआ। पर डोकलाम विवाद 89 कि.मी. के इलाके पर है।

# आम आदमी जनश्री बीमा योजना के लंबित प्रकरणों को त्वरित निराकरण की कार्यवाही करें

**शिवपुरी**

कलेक्टर श्री तरूण राठी ने समय-सीमा के पत्रों की समीक्षा के दौरान शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी एवं हितग्राही मूलक योजनाओं की प्रगति पर चर्चा करते हुए आम आदमी बीमा (जनश्री बीमा योजना) के लंबित प्रकरणों को त्वरित निराकरण की कार्यवाही करने के उपसंचालक सामाजिक न्याय सहित जिले के सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को दिए। इस कार्य में भारतीय जीवन बीमा निगम का भी सहयोग लें।

कलेक्टर श्री राठी ने उक्त आशय के निर्देश आज जिलाधीश कार्यालय के सभाकक्ष में समय-सीमा के पत्रों की समीक्षा के दौरान दिए। बैठक में जिला अधिकारीगण सहित अनुविभागीय अधिकारी और जिले के सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आदि उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री तरूण राठी ने आम आदमी जनश्री बीमा योजना के तहत जिले में लंबित प्रकरणों के निराकरण न होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उपसंचालक सामाजिक न्याय एवं जिले के सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजना के तहत पुराने एवं लंबित प्रकरणों का निराकरण प्राथमिकता के आधार पर करें और संबंधित परिवार को योजनाओं का लाभ दिलाए। कलेक्टर श्री राठी ने महिला एवं बाल विकास एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि आपसी समन्वय कर स्कूलों में रिक्त कक्षों में आंगनवाड़ी केन्द्र का संचालन करें। उन्होंने जिले के सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि पूर्व में आयोजित की गई जिला योजना समिति की बैठक में लिए गए निर्णयों के संबंध में पालन प्रतिवेदन पर चर्चा करते हुए त्वरित भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आगामी बैठक में सतर्कता मूल्यांकन समिति की बैठक में दिए गए निर्णयों के पालन प्रतिवेदन पर चर्चा की जाएगी।

कलेक्टर श्री राठी ने अधिकारियों द्वारा उन्हें आवंटित छात्रावासों के निरीक्षण न करने पर अधिकारियो के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि पूर्व में सभी जिला अधिकारियों को छात्रावासों का माह के प्रथम सप्ताह में निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए थे। लेकिन अधिकारियों द्वारा अभी तक अपना निरीक्षण प्रतिवेदन नहीं भेजा गया है, जो काफी आपत्तिजनक है। अतः सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि उन्हें आवंटित छात्रावासों का निरीक्षण कर प्रतिवेदन आवश्यक रूप से भेंजे। निरीक्षण न करने वाले अधिकारियों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने मछली पालन विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए कि फिशरमेन क्रेडिट कार्ड बनाने में गति लाए। जिससे मछुआ पालक शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ ले सकें। श्री राठी ने जिले के सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसी ग्राम पंचायतें जहां सीएससी नहीं है, उन ग्राम पंचायत स्तर पर आर्थिक कल्याण योजना के तहत कॉमन सर्विस सेंटर खोलने की कार्यवाही करें। इस कार्य में जिला अग्रणीय बैंक प्रबंधक का भी सहयोग लें।

## छात्रावासों का निरीक्षण न करने वाले अधिकारियों के विरूद्ध होगी कार्यवाही

**शिवपुरी।** कलेक्टर तरूण राठी ने अधिकारियों द्वारा उन्हें आवंटित छात्रावासों के निरीक्षण न करने पर अधिकारियो के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि पूर्व में सभी जिला अधिकारियों को छात्रावासों का माह के प्रथम सप्ताह में निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए थे। लेकिन अधिकारियों द्वारा अभी तक अपना निरीक्षण प्रतिवेदन नहीं भेजा गया है, जो काफी आपत्तिजनक है। अत: सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि उन्हें आवंटित छात्रावासों का निरीक्षण कर प्रतिवेदन आवश्यक रूप से भेंजे। निरीक्षण न करने वाले अधिकारियों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने मछली पालन विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए कि फिशरमेन क्रेडिट कार्ड बनाने में गति लाए। जिससे मछुआ पालक शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ ले सकें। श्री राठी ने जिले के सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसी ग्राम पंचायतें जहां सीएससी नहीं है, उन ग्राम पंचायत स्तर पर आर्थिक कल्याण योजना के तहत कॉमन सर्विस सेंटर खोलने की कार्यवाही करें। इस कार्य में जिला अग्रणीय बैंक प्रबंधक का भी सहयोग लें।

# राजस्व प्रकरणों में ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जायेगी-कलेक्टर

## लंबित पत्रों की समीक्षा बैठक में दिये अधिकारियों को निर्देश

दतिया। कलेक्टर मदन कुमार ने लंबित पत्रों की समीक्षा के दौरान राजस्व विभाग के कार्यो की समीक्षा की। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्व प्रकरणों के निराकरण में ढिलाई न बरते। जो भी राजस्व अधिकारी काम में स्थिलता बरतेगा उसके विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी। कलेक्टर ने नामांतरण, बटवारे व सीमांकन के संबंध में निर्देश दिए कि राजस्व शिविरों के दौरान नायब तहसीलदार गांव में अपने समक्ष बी-वन का वाचन करायें नामांतरण के जो भी प्रकरण मिले उन्हें आरसीएमएस में दर्ज करें और समय सीमा में निराकरण करें। इसी प्रकार सीमांकन और बटवारे के प्रकरणों में भी विलम्ब न करें।

कलेक्टर द्वारा डायवर्सन वसूली के अलावा राजस्व वसूली पर विशेष ध्यान देने की जरूरत बताते हुए कहा कि वसूली पर विशेष ध्यान दें पटवारी स्तर से लेकर अधिकारी स्तर पर सतर्क निगरानी रखें। बैठक में एसडीएम दतिया वीरेन्द्र कटारे, सेवढ़ा अशोक सिंह चौहान, भाण्डेर रमेश वंशकार, संयुक्त कलेक्टर विवेक रघुवंशी, सभी तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

## पानी भरने के विवाद पर युवक से मारपीट

**दतिया।** थाना भांडेर क्षेत्र के ग्राम सोफ्ता में रविवार की सुबह हैंडपंप से पानी भरने के विवाद पर चार लोगों ने एक युवक के साथ गालीगलौच करते हुये मारपीट की, पत्थर फेककर मारे तथा जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार भूरे उर्फ आशाराम (३२) पुत्र विजयराम यादव निवासी ग्राम सोफ्ता रविवार की सुबह आठ बजे अपने घर के सामने लगे हैंडपंप से पानी भर रहा था तभी पानी भरने को लेकर उसका गांव के ही कुछ लोगों से विवाद हो गया जिसके चलते विपक्षियों ने उसके साथ गालीगलौच करते हुये मारपीट की, पत्थर फेककर मारे तथा जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने उसकी रिपोर्ट पर प्रीतम यादव, रोहित यादव, राहुल यादव तथा मंगल यादव निवासीगण सोफ्ता के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

# रतनगढ़ से लोट रहे श्रद्धालुओं से भरी ट्रॉली पलटी 21 घायल

दतिया। सोमवार को रतनगढ माता मंदिर से दर्शन कर लौट रही एक ट्रैक्टर ट्राली उस समय पलट गई जब सभी लोग उत्तर प्रदेश के राठ जिले के ग्राम अमराय की ओर जा रहे थे। सेंवढा के एस.आर. पैट्रोल पम्प के पास ट्रैक्टर ट्रॉली पलटने से हड़कम्प मच गया घायलो की चीख पुकार सुनकर घटना स्थल पर खड़े लोग मदद के लिये दौड़ पड़े। इस घटना में घायलों को प्राथमिक उपचार के लिये सेंवढा सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार श्रद्धालुओं से भरा ट्रैक्टर रतनगढ माता मन्दिर से सोमवार की दोपहर दर्शन कर लौट रहे थे तभी अनियंत्रित होकर सेवढा दतिया रोड पर एस.आर.पैट्रोल पम्प के सामने पलट गया जिसमे २१ लोग घायल हो गये। सभी लोग उत्तर प्रदेश के राठ अमरांय के रहने बाले बताये जाते हैं। घटना की जानकारी मिलते ही एस.डी.ओ.पी. कैलाश डाण्डे, थाना प्रभारी मोहन सिंह यादव, नायव तहसीलदार राजेन्द्र परमार, नायव तहसीलदार भगवती शिल्पकार सेंवढा सिविल अस्पताल पहुंचे जिन्होंने घटना का जायजा लिया और घायलों की मदद प्रारभं कि।

घटना में घायल लोगो में मुख्य रूप से रानी यादव पत्नि सुवोध यादव (२५), चरन सिंह अहिरवार पुत्र श्रीपत अहिरवार(३५), प्रशांत पुत्र चरन सिंह अहिरवार(५), चन्द्रपाल पुत्र सुखनन्दी अहिरवार(३२), रामसखी पत्नि रामकिशुन(५०), श्यामरानी पत्नि प्रताप अहिरवार(६५), सन्तोष रानी पत्नि भगवानदास अहिरवार(२५), तेज कुमारी पत्नि शिवचरन अहिरवार(३५), हिमलेश पुत्र हरगोविन्द राजपूत(१८), संतोषी पुत्र हरगोविन्द राजपूत(१२), रामकली पत्नि सूरज अहिरवार (२५), गीतारानी अहिरवार पत्नि शिवदयाल(३५), रामकुअर पत्नि काली चरण (६०), जगतरानी पत्नि श्रीपत अहिरवार(५५), चक्रवती पत्नि ख्याली राजपूत(६०), कुसुमारानी पत्नि दिल्लीपथ धोबी (६२), फूलारानी पत्नि सुखदेव अहिरवार (६२), इन्द्ररानी पत्नि चतुल्ला अहिरवार(६०), बालकिशन पुत्र हरीदास कोरी(६०), विमलादेवी पत्नि धूराम अहिरवार(६०), रोशनी पुत्री छत्रपाल अहिरवार(१८) शामिल हैं।

## स्केनर से जाली नोट छापने वालों को पांच-पांच साल की सजा

**दतिया।** जिला लोक अभियोजक केएन श्रीवास्तव ने बताया कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती सुनीता यादव ने स्केनर से जाली नोट छापकर प्रतिरूपण कर सौ-सौ के नोट चलाने वाले दो आरोपीगणों को पांच-पांच साल के सश्रम कारावास एवं एक-एक हजार रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। उल्लेखनीय है कि २७ जून २०१६ को कोतवाली पुलिस को जाली नोट स्केनर से छापकर चलाने की सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस के द्वारा आरोपीगण ओम साहू पुत्र श्याम लाल साहू निवासी दतिया एवं गंधर्व उर्फ मट्टू पुत्र विजयराम पाल निवासी रौनीजा थाना सीपरी बाजार झांसी के द्वारा आरोपी ओम साहू के घर झांसी बाईपास रोड़ दतिया पर स्केनर से असली नोट से नकली नोट तैयार किये जा रहे है। जिन्हें बाजार में चलाया जा रहा है पुलिस ने दविश देकर आरोपीगणों के कब्जे से असली एवं नकली नोट तथा स्केनर मशीन जप्त की तथा आरोपियों के विरूद्ध धारा ४८९ क आई.पी.सी. के तहत् चालान न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

# कलेक्टर ने गरीब किसानों को वितरित किए जैविक उर्वरक

दतिया। मध्यप्रदेश शासन द्वारा विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूह के किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के उद्देश्य से जैविक खाद व जैविक दवाओं की किट कलेक्टर कार्यालय में सौफे पर बैठालकर वितरित की गई।

इन किसानों को मिली किट-जिन आदिवासी किसानों को जैविक किट वितरित की उनमें डब्बू आदिवासी, रामनाथ, बान सिंह, पन्नी, सीताराम, दिलीप, प्रकाश रद्दू, कालीचरण नुनवाहा शामिल हैं। उर्वरक वितरण के समय एसएडीओ रविन्द्र पारासर, आरएईओ एके शुक्ला, एके सिलारपुरिया, आशुतोष मुद्धौतिया आदि उपस्थित रहे।

## बाइक की टक्कर से महिला घायल

दतिया। थाना भगुवापुरा क्षेत्र के दतिया सेंवढा रोड पर रविवार की सुबह एक बाइक चालक ने लापरवाही से बाइक चलाकर एक अन्य बाइक में टक्कर मार दी जिससे उस पर सवार एक महिला घायल हो गई। पुलिस ने आरोपी बाइक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार रामपाल पुत्र भारत सिंह चौहान निवासी ग्राम खंजापुरा रविवार की सुबह ग्यारह बजे अपनी चाची रामजूराजा चौहान के साथ बाइक से दतिया सेंवढा रोड से जा रहा था। जब वह बंटी किरार की कोठी के पास पहुंचा तभी अज्ञात बाइक चालक ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी जिससे उस पर बैठी रामजूराजा घायल हो गई। पुलिस ने आरोपी अज्ञात बाइक के चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

# नकसीर की आयुर्वेदिक चिकित्सा

नाक से खून बहने की समस्या हममे से कई लोगों को परेशान करती है। इस समस्या को नकसीर के नाम से भी जाना जाता है। अगर आपके नाक की एक तरफ से बिना चेतावनी के, खून बहने लगता है, तो वह मौसम, शारीरिक व्यायाम, छींकें, और सर्दी-जुकाम के कारण होता है। अगर आपकी उम्र 50 से अधिक है और आप अनवरत रूप से रक्तस्राव के शिकार हैं तो अपने रक्तचाप का परिक्षण कराएँ, क्योंकि उच्च रक्तचाप रक्त पात्रों को हानि पहुँचाता है, जिससे प्रचुर मात्रा में रक्तस्राव होने लगता है।

## नकसीर के लक्षण और कारण

- **कारण:** संक्रमण, उच्च रक्तचाप, रक्त को पतला करने की औषधि का सेवन करना, मदिरापान, नाक में हल्की सी चोट, नाक को ज़ोर लगाकर साफ़ करना, सर्दी-ज़ुकाम या फ्लू, कोकेन का अधिक मात्रा में प्रयोग करना, साइनस संक्रमण वगैरह।
- **लक्षण:** एक या दोनों नथुनियों से रक्तस्राव, उनींदापन, नकसीर के कारण सदमा या असमंजस।

## नकसीर के आयुर्वेदिक उपचार

- फिटकरी के पाउडर को गाय के घी के साथ मिलाकर नोज़ ड्रॉप्स की तरह नाक में डालने से नकसीर को रोकने में सहायता मिलती है।
- थोडा सा कपूर, धनिये के पत्तों के रस में मिला दें और इस मिश्रण को नाक में डालें। इस मिश्रण को नाक में डालने से नाक से खून बहना जल्दी बंद हो जाता है।

- 20 ग्राम आंवले को पूरी रात पानी में सोख कर रखें, और सुबह उस पानी को छान कर पी लें और आमला की लेई को अपने माथे और नाक के आसपास मल दें। इससे भी नाक का खून रुकने में आपको काफी मदद मिलेगी।
- लाल चन्दन, मुलेठी, और नाग केसर को समान मात्रा में मिलाकर चूरा बना लें और उसमे से 3 ग्राम चूरा दूध के साथ लेने से भी आपको नकसीर में लाभ मिलेगा।
- अनार के सूखे पत्तों का चूरा बनाकर सूंघने से भी नाक से रक्त का बहना काफी हद तक रुक सकता है।
- आम की गुठली के रस को सूंघने से भी नकसीर में लाभ मिलता है।
- 2 ग्राम केले के पेड़ के पत्ते, 20 ग्राम क्रिस्टल शुगर और 1-1/2 लीटर पानी का मिश्रण दिन में एक बार पीने से गंभी से गम्भोर नकसीर में भी लाभ मिलता है।

## नकसीर के अन्य उपचार

- कुर्सी पर शांत रूप से बैठें और अपना सिर पीछे की तरफ न झुकायें, और सामान्य स्तिथि में रहने दें, ताकि रक्तस्राव गले के पीछे से नहीं बल्कि नाक से आसानी से हो सके।
- आइस पैक या आइस क्यूब नाक पर लगाने से भी रक्तस्राव को रोकने में सहायता मिलती है।
- अगर आप धूम्रपान के आदि हैं, तो उसे तुरंत रोक दें।
- शुष्क वातावारण में रहने से बचें। एयर कंडिशनर और एयर कूलर उत्तम होते हैं क्योंकि वे हवा में नमी को बनाये रखते हैं।
- गर्भनिरोधक गोलियों के प्रयोग में सावधानी बरतें, क्योंकि गलत गोलियों के प्रयोग से नाक से रक्तस्राव शुरू
- एक दो बूँदें नींबू का रस नथुने में डालने से भी नाक से रक्तस्राव काफी हद तक रुक जाता है।
- एक ग्लास पानी में एक चुटकी नमक डाल दें और इस पानी को नाक में स्प्रे करें। ऐसा करने से नाक में से रक्तस्राव कम हो जाता है।
- जब नकसीर होता है तब यह पक्का कर लें आस पास का वातावरण शुष्क तो नहीं है। अगर है तो किसी अच्छे एयर ह्यूमिडीफायर से वातावरण को नम रखें जिससे आपके नाक की कार्यशीलता हल्की हो जायेगी और नाक से रक्तस्राव नहीं होगा।
- नाक के बाहरी हिस्से पर आइस पैक लगायें। यह बहुत ही सरल और असरदार तरीका है नाक से रक्तस्राव रोकने का।
- गीला तौलिया अपने सर पर रखने से भी नकसीर में लाभ मिलता है।

# सर्दियों में इन बूट्स से खुद को दें स्टाइलिश लुक

ठंड के मौसम में भी स्टाइल का बोलबाला होता है, ऐसे में आपको बूट्स पहनने की आजादी भी मिलती है, आइए हम आपको कुछ ऐसे बूट्स के बारे में बता रहे हैं जो ठंड से बचायेंगे और आपको स्टाइलिस बनायेंगे।

- **सर्दी में बूट्स का स्टाइल:** सर्दी ने दस्तक दे दी है और लोगों ने ठंड के कपड़े बाहर निकाल लिए हैं। अगर यूं कहें कि सर्दियों का सबसे अधिक इंतजार यूथ को होता है तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। और ये इंतजार केवल बूट्स के कारण ही होता है जो ठंड से बचाने के साथ स्टाइलिश लुक भी देता है।
- **लॉन्ग बूट्स:** सर्दी की पार्टीज़ में सबसे अधिक जो बूट्स लोगों के पैरों में नजर आते हैं, वो है- लॉन्ग बूट्स। ये शॉर्ट सिंगल पीस और शॉर्ट स्कर्ट के साथ काफी स्टाइलिश लुक देते हैं और ठंड से भी बचाते हैं।
- **कैप-टो एंकल बूट्स:** ठंड की पार्टियों के लिए दूसरी पसंद कैप-टो एंकल बूट्स भी है। खासकर जब ये शाइनी मेटैलिक कलर में हो तो ये और ज्यादा स्टाइलिश लगते हैं।
- **फ्लैप-फ्रंट बूट्स:** ये बूट्स आजकल काफी चलन में है। ये पार्टी और ऑफिस दोनों में पहन जा सकने के कारण लोगों द्वारा काफी पसंद किए जा रहे हैं। इसकी खासियत है कि इसे हर सीजन में कैरी कर सकते हैं।
- **एंकल बूट:** एंकल बूट को आप रोजाना के आधार पर भी इस्तेमाल कर सकते हैं। एंकल बूट में पेंसिल हील गर्ल्स काफी पसंद की जाती है क्योंकि ये लॉन्ग ड्रेस के साथ काफी स्टनिंग लुक देते हैं।
- **ओवर-द-एंकल बूट:** आपके पास केवल एक बूट खरीदने के पैसे हैं और आपके सामने रखें हो बहुत सारे बूट्स तो बेझिझक ओवर-द-एंकल बूट खरीदें। ये हर तरह के ड्रेस के साथ सूट कर जाते हैं।

# आप भी आजमायें स्कूल के दौर के ये हेयरस्टाइल

स्कूल और कॉलेज जाने वाले बच्चों में भी नए नए हेयरस्टाइल बनाने का शौक होता है। अगर आप भी स्कूल या कॉलेजे जाते हो तो फिशटेल, हाई स्लंग ब्रेड आदि हेयरस्टाइल अपना सकते है।

## स्टूडेंट्स के हेयरस्टाइल

बदलते दौर के साथ स्कूल और कॉलेज जाने वाले बच्चों के स्टाइल में भी फर्क आ गया है। आजकल के बच्चे स्कूल में अंतरर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रर्दशन करने के लिए जाते है। इसलिए वे अपने पहनावे और हेयरस्टाइल को लेकर भी सचेत रहते है। पुराने जमाने की तरह स्कूल में सिर्फ पोनी बांध कर जाना अब ज्यादा लोगो को पंसद नहीं आता है। इसलिए आज हम कुछ ऐसे हेयरस्टाइल लाए है जो आपके स्कूल की गरिमा को भी बनाए रखेंगे और आपकी ट्रेंडी लुक भी देंगे।

**फिशटेल:** इसे बनाने के लिये आपको बाल के दो भाग करने होंगे। यह हेयरस्टाइल स्कूल ड्रेस के साथ अच्छी लगेगी।यह चोटी बहुत ही सुंदर और क्लासी लगती है। इसको देखने में लगता है कि इसे बनाना बहुत मुश्किल होगा पर ऐसा है नहीं।

**खुले बाल:** खुले बालों का फैशन कभी भी आउट नहीं हो सकता। पर आजकल खुले बालों में भी कई हेयरस्टाइल आ गए है। रंग-बिरंगे बॉबी पिंस स्टूडेंट्स को बहुत भा रही हैं। बॉबी पिंस या क्लिप्स से आप अपने बाल बांध सकते हैं। खुले बालों को हेयर बैंड, रिबन, टिकटैक पिंस जैसी एक्सेसरीज से सजा सकते हैं। लेटेस्ट ट्रेंड में बालों की स्ट्रैंड्स को ट्विस्ट कर के बांध सकते हैं। साथ ही खुले बालों में बस एक लट को गूंथना भी क्लासी लुक देता है।

**हाई स्लंग ब्रेड:** मीडियम या लंबे बाल वाली लड़कियां इस हेयरस्टाइल को आसानी से कर सकती हैं। अपने बालों की कंघी पीछे की ओर करें। पीछे रबर बैंड लगा लें और बालों को गूंथना शुरू करें। चाहें तो फिशटेल बनाएं या सामान्य चोटी। जब आप नीचे पहुंच जाएं तो फिर से एक रबर बैंड लगा लें। ध्यान रखें कि नीचे की ओर खुले बाल कम न हों।

**खुले कर्ल्स:** सॉफ्ट कर्ल्स भी ट्रेंड में है। सॉफ्ट कर्ल्स के साथ-साथ हार्ड कर्ल्स, आउटर कर्ल्स काफी अच्छे लगते हैं। आप मैगी कर्ल्स परमानेंट या टेम्परेरी भी करवा सकते। एक टाइम पर स्ट्रेट बाल काफी इन थे, हर लड़की कॉलेज जाने से पहले प्रेसिंग मशीन से अपने बालों को खींचती रहती थी। मगर अब वह ट्रेंड पुराना हो चुका है।

# जिंदर महल ने बढ़ाया देश का मान

## नाकामूरा को हरा बने चैंपियन

**नई दिल्ली**

डब्ल्यूडब्ल्यूई के भारतीय सुपरस्टार जिंदर महल ने एक बार फिर देश का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है. महल ने न्यूयॉर्क में चल रही समरस्लैम 2017 में शिंस्के नाकामुरा को हराकर अपना चैंपियनशिप टाइटल डिफेंड किया. इस दौरान उन्हें सिंह ब्रदर्स का भी पूरा साथ मिला. 31 वर्षीय जिंदर महल उर्फ युवराज सिंह धेसी को रेसलिंग की दुनिया में मॉर्डन डे महाराजा भी कहा जाता है. वह कहते हैं, यह टाइटल मेरे लिए काफी मायने रखता है. मई में जिंदर डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियनशिप जीतने वाले भारतीय मूल के खली के बाद दूसरे खिलाड़ी बने. यह स्पोर्ट्स इंटरटेनमेंट का सबसे बड़ा खिताब माना जाता है.

डब्ल्यूडब्ल्यूई समरस्लैम में जिंदर महल और शिंस्के नाकामुरा की फाइट में सिंह ब्रदर्स ने स्पेशल एपिरियंस किया. उन्होंने उम्मीद के मुताबिक सभी को चौंकाते हुए नाकामुरा पर मुक्के और लात बरसाना शुरू कर दिया और महल का जमकर साथ दिया.

नाकामुरा चैंपियन जिंदर महल पर शुरुआत से हावी थे. भारतीय मूल के जिंदर

महल का एक भी दांव नाकामुरा को ढेर नहीं कर पा रहा था, जबकि नाकामुरा खिताब से एक कदम दूर थे तब सिंह ब्रदर्स ने वहीं काम किया जो हमेशा से करते आए है. जापान के रेसलर नाकामुरा ने सिंह ब्रदर्स की जमकर धुनाई की, लेकिन इससे जिंदर महल को अपनी एनर्जी वापस पाने का समय मिल गया. फिर जो हुआ, उससे नतीजा महल के पक्ष में आया. जिंदर महल चैंपियन बने और अपना टाइटल डिफेंड करने में कामयाब रहे.

बता दें कि जिंदर महल ने बैकलैश पीपीवी में रैंडी ऑर्टन को हरा खिताब जीत कर रेसलिंग की दुनिया में खलबली मचा दी थी. उसके बाद मनी इन द बैंक में जिंदर ने अपना टाइटल रैंडी ऑर्टन के खिलाफ डिफेंड किया, जबकि बैटलग्राउंड में हुए पंजाबी प्रिजन मैच में जिंदर ने द ग्रेट खली की मदद से जीत दर्ज की थी.

कम्युनिकेशन और कल्चर में बिजनस डिग्री रखने वाले महल का जन्म और लालन-पालन कनाडा के शहर कैलगैरी में हुआ है. उनके परिवार का ताल्लुक पंजाब से है. महल इस खिताब के बाद रिप्रजेंटेशन का दबाव महसूस करते हैं. महल की मां होशियारपुर के चेल्ला गांव से हैं और पिता जालंधर के कंगारियां गांव के रहने वाले हैं. महल कहते हैं कि मैं अक्सर अपने अंकल से मिलने गांव जाता रहता हूं. उन्होंने कहा, मुझे अपने गांव, पंजाब और भारत पर गर्व है.

महल ने माना कि जवानी के दिनों में पगड़ी को लेकर उनका मजाक बनाया जाता था. वहीं अपने ऑनस्क्रीन अवतार में वह काली दस्तार (पगड़ी) और खालसा पंथ के निशान के साथ नजर आते हैं. रिंग में वह बहुत आक्रामक नजर आते हैं लेकिन रिंग के बाहर वह काफी शर्मीले हैं.

अब जिंदर का लक्ष्य सर्वकालिक महान खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल होना है. उन्होंने कहा, मैं एक दिन हॉल ऑफ फेम में शामिल होना चाहता हूं. खली के बारे में उन्होंने कहा, वह मेरे बड़े भाई और मेंटोर की तरह हैं.

## नडाल ने फिर पहना नम्बर वन का ताज

पेरिस। स्पेन के राफेल नडाल ने ब्रिटेन के एंडी मरे को पछाड़ाकर एक बार फिर से एटीपी रैंकिंग में दुनिया के नम्बर एक खिलाड़ी बन गए हैं। इस साल फ्रेंच ओपन जीतने वाले नडाल तीन साल में पहली बार एटीपी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे हैं। एक सप्ताह पहले ही यह तय हो गया था कि वह शीर्ष पर पहुंच जाएंगे जहां आखिरी बार जुलाई 2014 में पहले स्थान पर पहुंचे थे। स्पेन के 31 बरस के नडाल ने एंडी मरे को पछाड़ा जो मांट्रियल और सिनसिनाटी में कूल्हे की चोट के कारण नहीं खेल सके थे। शीर्ष पर 141 सप्ताह तक रहे नडाल पहली बार अगस्त 2008 में शीर्ष पर पहुंचे थे। उसके बाद वह चोटों से जूझते रहे और उन्हें खुद भी यकीन नहीं था कि वह कभी नंबर एक तक पहुंचेंगे। नडाल को सिनसिनाटी मास्टर्स क्वार्टर फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के निक किर्गियोस से हार गए थे। स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर रैंकिंग में तीसरे स्थान पर है जबकि उनके हमवतन स्टान वावरिंका चौथे और सर्बिया के नोवाक जोकोविक पांचवें स्थान पर है।

# हालेप को हराकर मुगुरूजा बनी सिनसिनाटी ओपन चैम्पियन

सिनसिनाटी। विंबलडन चैंपियन गरबाइन मुगुरूजा ने दूसरी सीड सिमोना हालेप को हराकर सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल वर्ग का खिताब जीत लिया है। स्पेन की गरबाइन मुगुरूजा ने रोमानिया की सिमोना हालेप को सीधे सेटों में 6-1, 6-0 से शिकस्त दी। अगर हालेप यह खिताब अपने नाम कर लेती तो वह विश्व नम्बर वन महिला खिलाड़ी बन सकती थी।इससे पहले चौथी सीड स्पेन की गरबाइन मुगुरूजा ने सेमीफाइनल बेहतरीन लय जारी रखते हुए में विश्व की नंबर एक खिलाड़ी कैरोलीना प्लिस्कोवा को लगातार सेटों में 6-3, 6-2 से पराजित कर दिया था। हालेप ने अमेरिका की एकमात्र खिलाड़ी स्लोएन स्टीफंस की चुनौती को मात्र 54 मिनट में 6-2, 6-1 से ध्वस्त करते हुए खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। स्टीफंस 11 महीने बाद वापसी कर रहीं थीं।

## रिटायरमेंट के गम में जमकर पी शराब, 6 लाख का आया बिल

**नई दिल्ली ।** दुनिया में टाइगर से भी तेज दौड़ने वाले उसेन बोल्ट ने रेसिंग ट्रैक को अलविदा कह दिया है। लेकिन अभी भी खबरों में बने हुए हैं। जी हां, रेस से रिटायरमेंट लेने के बाद बोल्ट की एक हैरान कर देने वाली बात सामने आई है। रिटायरमेंट के बाद बोल्ट ने लंदन के एक बार में जमकर शराब पी। अब आप अनुमान भी नहीं लगा पाएंगे कि उसेन ने दोस्तों के साथ मिलकर कितने की शराब पी होगी। लंदन के बार में रिटायरमेंट के गम में बोल्ट ने दोस्तों के साथ तकरीबन 6 लाख रुपये की शराब पी। सोशल मीडिया पर बार के बिल की फोटो वायरल हो रही है। और उनके फैंस के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है।

# गेल-सैमुअल्स की वनडे में वापसी

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज ने अगले महीने 19 सितंबर से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू हो रही पांच मैचों की वनडे सीरीज के लिए विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल और मार्लोन सैमुअल्स को 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया है।

वेस्टइंडीज ने सोमवार को टीम की घोषणा करते हुए बताया कि गेल और सैमुअल्स के अलावा तेज गेंदबाज जेरोम टेलर को भी एक साल बाद वनडे टीम में शामिल किया गया है। इसके अलावा गुआना के 24 साल के ओपनर सुनील एम्ब्रीस इंग्लैंड सीरीज से पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करेंगे।

वेस्टइंडीज के लिए 269 वनडे खेल चुके गेल ने पिछला वनडे न्यूजीलैंड के खिलाफ 2015

विश्वकप के क्वार्टरफाइनल में खेला था। वहीं 187 वनडे खेलने वाले सैमुअल्स ने अपना पिछला वनडे गत वर्ष अबुधाबी में पाकिस्तान के खिलाफ खेला था।

चयनकर्ताओं ने ड्वेन ब्रावो, डैरेन ब्रावो और कार्लोस ब्रैथवेट को पूरी तरह फिट नहीं होने के कारण टीम में शामिल नहीं किया गया है। इसके अलावा ओपनर कीरेन पावेल, ऑलराउंडर जोनाथन कार्टर और रोस्टन चेज को भी 15 सदस्यीय टीम से बाहर रखा गया है। ड्वेन को टीम से बाहर रखा है।

# खुदरा महंगाई 2-6 फीसदी की सीमा में ही रहेगी

नई दिल्ली। आने वाले महीनों में खुदरा महंगाई रिजर्व बैंक की तय सीमा 2-6 प्रतिशत के बीच रहने की उम्मीद है तथा इसके आधार पर दिसंबर में नीतिगत दरों में 25 आधार अंकों की कटौती की भी संभावना है। बाजार सलाह तथा वैश्विक वित्तीय सेवाएं देने वाली कंपनी बैंक ऑफ अमेरिका मेरिल लिंच (बोफाएमएल) की रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक स्तर पर वस्तुओं के भाव में गिरावट के बीच अच्छी बारिश, वृद्धि तथा आयात अपेक्षाकृत सस्ता रहने से मंहगाई का दबाव नियंत्रित रहने की संभावना है।

फर्म ने अपनी एक ताजा रिपोर्ट में कहा है कि रिजर्व बैंक अक्टूबर में होने वाली नीतिगत समीक्षा बैठक में ब्याज दर स्थिर रखने के बाद छह दिसंबर की उससे अगली बैठक में इसे प्रतिशत 0.25 अंक घटा सकता है। बोफाएमएल ने उम्मीद जतायी है कि 2018 के पहले छह महीनों में महंगाई औसतन 4.5 फीसदी रहेगी तथा मार्च तक सामान्य हो कर 4.7 प्रतिशत के स्तर पर रहेगी।

## चौतरफा बिकवाली से लुढ़का सेंसेक्स

मुंबई। वैश्विक स्तर पर अधिकतर शेयर बाजारों में गिरावट और घरेलू स्तर पर कमजोर निवेश धारणा के बीच इंफोसिस के साथ आईटी, टेक और बैंकिंग कंपनियों के शेयरों में हुई बिकवाली से आज घरेलू शेयर बाजार 0.84 प्रतिशत टूटकर डेढ़ सप्ताह के निचले स्तर पर आ गए। बीएसई का सेंसेक्स आज 0.84 प्रतिशत यानी 265.83 अंक की गिरावट के साथ 31,258.85 अंक पर बंद हुआ, जो 11 अगस्त के बाद का निचला स्तर है। एनएसई का निफ्टी भी 0.84 प्रतिशत यानी 83.05 अंक नीचे 9,754.35 अंक पर रहा, जो इसका भी 11 अगस्त के बाद का निचला बंद स्तर है। इंफोसिस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक विशाल सिक्का के इस्तीफे के बाद आज लगातार दूसरे कारोबारी दिवस कंपनी के शेयरों में सेंसेक्स की सबसे बड़ी गिरावट देखी गई। इसके शेयर 5.37 प्रतिशत टूटे। इसके शेयरों में गिरावट का लाभ सेंसेक्स में इसकी प्रतिद्वंद्वी कंपनियों को मिला और टीसीएस तथा विप्रो हरे निशान में रहीं, लेकिन इससे बाजार की सकल निवेश धारणा कमजोर हुई है।

**आवश्यकता है**

12वीं पास ग्रेजुएट लड़कों की PAYTM-KYC के लिए। तुरंत सम्पर्क करें।

पता: पुरानी हाईकोर्ट
नियर सूर्या टॉवर 3 फ्लोर ग्वालियर म.प्र.
मोबाइल नं. 8319727958

**पुष्पाजंली फोउण्डेशन को**

**आवश्यकता है**

8, 10, 12वीं व ग्रेज्यूएशन लड़के-लड़कियों की आवश्यकता है। इच्छुक तुरंत सम्पर्क करें।

मोबाइल नं. 7771839100

# प्रताप सेना की समीक्षा बैठक मैं हजारों प्रताप सैनिकों ने व्यवस्था परिवर्तन का लिया संकल्प

विपिन तोमर

ग्वालियर। प्रताप सेना की समीक्षा बैठक एवं सहभोज कार्यक्रम मुरैना रोड स्थित गणेश गार्डन में संपन्न हुआ जिस में मुख्य अतिथि के रुप में प्रताप सेना के संरक्षक संत कृपाल सिंह महाराज उपस्थित थे एवं अध्यक्षता प्रताप सेना के संरक्षक गंगा दास की बड़ी शाला के महंत रामसेवक दास महाराज जी ने की कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रताप सेना प्रमुख भूपेंद्र सिंह चौहान उपस्थित थे इस अवसर पर मंचासीन अतिथियों में प्रताप सेना के सम्मानीय सदस्य एडिशनल स्क्र देवेंद्र सिंह चौहान मोहन कांत समाधिया अशोक छापरिया एवं वरिष्ठ संचालन समिति सदस्य पार्षद डॉक्टर सतीश सिकरवार गिरिराज सिंह भदौरिया सुबोध महेश्वरी राम पाठक ठाकुर दास प्रजापति डॉक्टर एस के गोस्वामी अजय सिंह जादौन काना परमार अशोक दयाल सुरेश यादव सरदार हरजिंदर सिंह संधू अब्दुल समद हाशमी सागर नाती डॉक्टर रजनीश नीखरा मयंक पाठक अरुणेश भदौरिया जितेंद्र भदौरिया मितेंद्र दर्शन सिंह विधि प्रकोष्ठ के प्रभारी चेन सिंह राजपूत अनामिका शर्मा रोहित गुप्ता पर्यावरण प्रकोष्ठ के प्रभारी रोहित जन सेवा प्रकोष्ठ के प्रभारी विकास गोस्वामी मंच पर उपस्थित थे कार्यक्रम का संचालन सुधीर भारद्वाज ने किया कार्यक्रम को प्रताप सेना के संरक्षक संत कृपाल सिंह महाराज महंत रामसेवक दास महाराज सेना प्रमुख भूपेंद्र सिंह चौहान एडिशनल स्क्र देवेंद्र सिंह चौहान ने संबोधित किया इस अवसर पर मुख्य रुप से प्रताप सेना के संचालन समिति सदस्यों में भानु चौहान मुरारी पाल नरेन्द्र यादव मनोज सिंह चौहान रामू प्रजापति सौरभ भदोरिया रामकुमार सिंह चौहान संदीप यादव अमित राजावत राजेश बाबा ध्यानेंद्र सिंह चौहान ओंकार सिंह चौहान प्रवीण सिंह भदोरिया अजय माहौर विवेक शर्मा नरेन्द्र शर्मा बाबूलाल शर्मा पंकज तोमर रवि सोनी अरविंद पुरोहित प्रताप सिंह भदोरिया छोटू जादौन अनिल सिंह सिसोदिया शिवकुमार भदोरिया हेमंत शर्मा प्रदीप सिंह चौहान रुपेंद्र सिंह चौहान गोविंद शर्मा ओंकार सिंह चौहान रविंद्र सिंह चौहान बाबू हरविंद्र सिंह चौहान और उसी रुप सिंह राजपूत आनंद शर्मा शोभराज रावत नेपाल सिंह चौहान यूं.एस. परमार जितेंद्र सिंह राजावत महेंद्र सिंह कुशवाह राकेश जैन जितेंद्र सिंह जादोन दौलत सिंह गुर्जर डॉक्टर अनिल गुप्ता संतोषी यादव दीपक शर्मा आसाराम खुशवा योगेंद्र सिंह राठोर एम. एस. दुबे राजकुमार नागर दिनेश मोर्य रामप्रकाश सूर्य देव शर्मा वीर सिंह कुशवाह भारत सिंह चौहान बाबूलाल झा महेश सिंह भदोरिया उमेश शर्मा आदि उपस्थित थे इसके अलावा हजारों की संख्या में प्रताप सैनिक ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर अपनी समीक्षा कराई।

## समय-सीमा में अविवादित राजस्व प्रकरण नहीं निपटे तो लगेगा अर्थदण्ड : जैन

ग्वालियर । राज्य शासन के स्पष्ट दिशा-निर्देश हैं कि पुराने सभी अविवादित नामांतरण, बँटवारे और सीमांकन के प्रकरण अगले तीन माह में निराकृत कर दिए जाएँ। साथ ही आगे भी समय-सीमा के भीतर राजस्व प्रकरणों का निराकरण किया जाए। शासन के यह भी निर्देश हैं कि यदि कोई व्यक्ति तीन माह पुराने अविवादित नामांतरण अथवा बटवारा का प्रकरण लेकर आयेगा तो उसे पुरस्कृत किया जायेगा और पुरस्कार की राशि दोषी राजस्व अधिकारी से वसूली जायेगी। यह बात कलेक्टर राहुल जैन ने जिले के राजस्व अधिकारियों को आगाह करते हुए कही। उन्होंने कहा कि राजस्व प्रकरणों का निराकरण सरकार की मंशा के अनुरूप समय-सीमा में सुनिश्चित करें। सोमवार को यहाँ कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित हुई बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिये चलाये जा रहे विशेष अभियान और राजस्व न्याय शिविरों के माध्यम से सभी लंबित राजस्व प्रकरण मसलन अविवादित नामांतरण, बटवारा व सीमांकन प्रकरणों का निराकरण करें। साथ ही सभी अनुविभागीय राजस्व अधिकारी, तहसीलदार व नायब तहसीलदार यह सुनिश्चित करें कि उनके क्षेत्र में तीन माह से अधिक अवधि का कोई भी अविवादित राजस्व प्रकरण लंबित न रहे। उन्होंने कहा कि प्रकरण लंबित रहने पर पटवारी के खिलाफ तो कार्रवाई होगी ही साथ ही संबंधित राजस्व अधिकारी भी जवाबदेह होंगे। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि हर मंगलवार को पटवारी अपने हलका मुख्यालय के ग्राम पंचायत भवन में बैठकर ग्रामीणों की राजस्व संबंधी समस्याओं का निराकरण करें। उन्होंने कहा कि प्राप्त होने वाले सभी आवेदनों को एक पंजी में दर्ज करें।

# महिला मोर्चा का सशक्त स्वरूप देखने को मिलेगा: खुशबू गुप्ता

ग्वालियर । भारतीय जनता पार्टी मोर्चा की बैठक भाजपा के संभागीय कार्यालय 38 रेसकोर्स रोड पर संपन्न हुई। बैठक में मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष देवेश शर्मा थे। बैठक की अध्यक्षता भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष श्रीमती खुशबू गुप्ता ने की।

भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष श्रीमती खुशबू गुप्ता ने बैठक में उपस्थित महिला मोर्चा की पदाधिकारी एवं महिला कार्यकर्ता को संबोधित करते हुए कहा कि शीघ्र ही महिला मोर्चा के सभी वार्डों अध्यक्षों की घोषणा की जाएगी। श्रीमती गुप्ता ने कहा कि महिला मोर्चा जिले में अपने कार्य के आधार पर अपनी अलग पहचान बनाएगा एवं महिला मोर्चा का सशक्त स्वरूप दिखाई देगा। उन्होंने बताया कि भारत में 50 प्रतिशत आबादी महिलाओं की है तो निश्चित रूप से

समाज में काम करने की जबावदारी भी अधिक से अधिक महिलाओं की होनी चाहिए। भाजपा महिला मोर्चा वार्ड स्तर तक जाकर के अधिक से अधिक महिलाओं को भाजपा से जोडने का काम करेगा। उन्होंने कहा कि जल्द से जल्द वे स्वयं प्रत्येक वार्ड में जाकर के महिलाओं से संपर्क करके उनको भाजपा से जोडने का काम करेंगी। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि देवेश शर्मा ने कहा कि महिला मोर्चा भाजपा के प्रमुख मोर्चों में से एक है उन्होंने उपस्थित सभी महिला मोर्चा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक महिला कार्यकर्ता अपने निवास स्थान के मतदान केंद्रों तक जाएं वहां पर बैठक आहुत करें। उसमें महिला मोर्चा की पदाधिकारियों को भी बुलाएं और अपने मोर्चों का विस्तार करते हुए अधिक से अधिक महिलाओं को भाजपा से जोडने का काम करें। उन्होंने बताया कि जिस प्रकार भाजपा में पुरूष कार्यकर्ता का महत्व है उतना ही हमारी महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं का महत्व है। आज की इस बैठक में मंडलों के अध्यक्ष एवं महमंत्रीगण भी उपस्थित है और सभी से मेरा आग्रह है कि वे अपने अपने मंडलों में प्रत्येक वार्डों में महिला मोर्चा की बैठकें संपन्न करएं जिससे महिला मोर्चा अपने क्षेत्र में काम करते हुए भाजपा की विस्तार योजना में सहभागिता प्रदान कर सकें।

## शासकीय दफ्तरों के शौचालयों का होगा ऑडिट : कलेक्टर

ग्वालियर । शासकीय दफ्तरों के शौचालयों का ऑडिट कराया जायेगा। शौचालय साफ-सुथरे न मिलने पर संबंधित कार्यालय प्रमुख के खिलाफ कार्रवाई की जायेगी। साथ ही जिन कार्यालयों के शौचालय साफ-सुथरे मिलेंगे, उन कार्यालय प्रमुखों को गणतंत्र दिवस पर सम्मानित कराया जायेगा। यह बात कलेक्टर राहुल जैन ने अंतरविभागीय समन्वय बैठक में कही। उन्होंने बैठक में मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने कार्यालयों के शौचालय 15 दिन के भीतर दुरूस्त कर लें। सोमवार को यहाँ कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित हुई बैठक में कलेक्टर ने जल्द से जल्द जिले का विजन डॉक्यूमेंट (दृष्टि पत्र) तैयार करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा बनाए गए विजन डॉक्यूमेंट एवं विकेन्द्रीयकृत योजना के आधार पर वर्ष 2022 तक के लिये जिले का विजन डॉक्यूमेंट तैयार कराया जाना है।

# खुले में शौचमुक्त के दावे झूठे , लोग कर रहे हैं बोतल परेड

ग्वालियर । जिला प्रशासन से लेकर नगर निगम ने ग्वालियर को खुले में शौच मुक्त करने के काफी प्रयास किये लेकिन आज भी झुग्गी झोपडी से लेकर कालोनी के पास रहने वाले मजदूर से लेकर अन्य पुरूष और महिलाएं बोतल परेड करने को मजबूर हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छ भारत अभियान के तहत खुले में शौच पर रोक लगाने के लिए जिला एवं नगर निगम प्रशासन ने ऐडी चोटी का जोर लगा दिया। लगभग 15 दिनों तक निर्वाध रूप से अभियान चला भी। निगम ने सभी झोपड पटटी वालों को एक एक पर्ची दी जिस पर लगभग एक माह तक पास के शुलभ शौचालयों में मुफ्त में शौच करने की सुविधा प्रदान की थी। इस पर्ची की समय सीमा समाप्त होने के बाद से अब झोपड पटटी में रहने वाले लोग फिर से बोतल परेड पर निकलने लगे हैं। ऐसा नजारा रोजाना सुबह सुबह किसी भी झोपड पटटी के पास देखा जा सकता है। इस नजारे को देखकर जिला प्रशासन और नगर निगम प्रशासन के उस दावे की पोल खुल रही है जिसमें वह शौचमुक्त शहर का दावा करने के लिए दिल्ली से आई टीम को शौचमुक्त शहर दिखाया। हालांकि टीम ने कुछ जगह से इतर जाकर भी मौके को देखा और अपनी रिपोर्ट एनजीओ के माध्यम से केन्द्र सरकार को सौंपी। लेकिन वास्तविकता यह है कि महानगर में अभियान की समाप्ति के बाद से खुले में शौच केवल दिखावा साबित हुआ है। ऐसा सुबह सुबह रेल पटरी से लेकर झांसी रोड , रेसकोर्स रोड आदि क्षेत्रों में देखा जा सकता है। उधर स्मार्ट सिटी का सपना संजोए बैठे अधिकारियों को अभियान की सफलता के बाद अब खुले में शौच दिखाई नहीं दे रहा है।

पुष्पांजली टुडे
राष्ट्रीय साप्ताहिक समाचार पत्र
को
ग्वालियर चम्बल संभाग में ब्यूरो/संवाददाताओं को नियुक्त करना है इच्छुक व्यक्ति तुरंत संपर्क करे।
सह सम्पादक विपिन सिंह तोमर मोबा. 7771839100
अनिल राजपूत 9755837413
राजेश राठौर 7879337770
सामायिक विषय पर लेख फीचर सुझाव आमंत्रित है आप अपने महत्वपूर्ण विचार हमे इस पते पर प्रेसित करे।
E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com
Whatsapp No. 8269307478, 9826357883
कार्यालय - 304, रजनी गंधा काम्प्लेक्स मुरार रोड गोले का मंदिर ग्वालियर (म.प्र.) 474005

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। कंचन ऑफसेट प्रेस-डी.ए.व्ही. स्कूल के सामने, नया बाजार, लश्कर, जिला ग्वालियर ( म.प्र. ) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर ( म.प्र. ) से प्रकाशित। सम्पादक-भरत सिंह चौहान। E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com मोबा.8269307478